Dear Netizens,

I am extremely privileged and pleased to invite your kind attention to have the pleasure of knowing our mission of exhilarating educational empowering skills being embedded with quality and value added inputs through our exploring website of Maharani Adi Laxmi Devamma (MALD) Government Degree & P.G. College Gadwal - the first college in the erstwhile district of Mahabubnagar which was established in 1960 under private management with a vision to create and impact the beauty of higher education to the socially and economically backward sections of this region with a holier intention of constructing and reforming the future society with the fruitful results of education being rightly, properly and perfectly coined by the then the prince, Raja Krishnaram Bhoopal garu who generously donated the entire royal fort along with Rs. 25000 cash for the establishment of the college with the forwarding educational ideologies of the then academicians, Samaritans, philanthropists named after erstwhile queen of Raja Krishna Ram Bhoopal's Grandmother Maharani Adi Laxmi Devamma Gadwal Samsthan.

Initially, the college was taken over by the then Government of Andhra Pradesh in 1964. Later it has got permanent affiliation to Osmania University, Hyderabad and permanent recognition under section 2(f) and 12(b) of UGC act. The college was started with 5 UG groups with the capacity of 300 students. Now it is affiliated to Palamuru University, Mahabubnagar, Telangana State.

In its passionate journey of experimenting and endeavouring with sole motto of transforming young men and women to be the most responsible and ignited citizens of human society with universality, humanity and reverence to coveted educational values of independence and self dependence.

In its historic unending ever surpassing march, the college is presently highly emerged as one of the iconic and the most chosen platforms of empowering higher education by having the inspiring students strength of 2207 in the rolls with the 30 diversified groups of study under UG apart from the PG courses for the academic year 2023-24 while allowing unlimited freedom of choice from the point of students interest and innovativeness under CBCS system channelizing and encompassing future plans for creativity, employability, adoptability, utility and self sustenance to accomplish the visionary dreams in reality through qualitative, value based and research oriented education.

Dear web user, please pass on your valuable suggestions to make our website much more user-friendly.

With the best wishes,

Yours truly,

Dr. S. KHALANDAR BASHA
PRINCIPAL

प्रिय नेटिजनों,
जोगुलाम्बा गदवाल जिला के केन्द्र गदवाल में स्थापित महारानी आदि लक्ष्मी देवम्मा (एम.ए.एल.डी.) शासकीय स्नातक & स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गदवाल की रोमांचक शैक्षिक सशक्तीकरण कौशल के हमारे उद्देश्य को जानने के लिए आपका ध्यान आकर्षित करते हुए मैं अत्यन्त प्रसन्न हो रहा हूँ ।

एम.ए.एल.डी. शासकीय स्नातक & स्नातकोत्तर महाविद्यालय , गदवाल - तत्कालीन महबूबनगर जिले में पहला कॉलेज है, जिसकी स्थापना 1960 में निजी प्रबंधन के तहत इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए भविष्य-निर्माण और सुधार के पवित्र उद्देश्य के साथ उच्चशिक्षा की कामना को उत्पन्न करने और प्रभावित करने के उद्देश्य से की गई थी।

शिक्षा के फलदायी परिणामों से युक्त समाज को तत्कालीन राजकुमार राजा कृष्ण रामभूपाल जी ने उदारतापूर्वक रू 25,000/- नकद राशि के साथ-साथ पूरे शाही किले को दान कर के इस महाविद्यालय को सही ढंग से और पूरी तरह से तैयार किया था ।
तत्कालीन शिक्षाविदों, नेक लोग और परोपकारियों की शैक्षिक विचारधाराओं को आगे बढ़ाने के साथ - साथ राजा कृष्ण रामभूपाल जी की नानी महारानी आदि लक्ष्मी देवम्मा जी (गदवाल संस्थान की पूर्व रानी) के नाम पर ही इस कॉलेज (एम.ए.एल.डी.) की स्थापना की गई थी।

1964 में कॉलेज को तत्कालीन आंध्रप्रदेश सरकार ने अपने अधीन में लिया था, बाद में इसे उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से स्थायी संबद्धता और यूजीसी अधिनियम की धारा
2 (एफ) और 12 (बी) के तहत स्थायी मान्यता मिल गई। कॉलेज की शुरुआत 300 छात्रों की क्षमता वाले 5 यू.जी. (स्नातक) समूहों के साथ की गई थी। अब यह पालमूर विश्वविद्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना राज्य से संबद्ध है ।

वर्तमान में एम.ए.एल.डी. कॉलेज नवयुवा (पुरुषों और महिलाओं) को सार्वभौमिकता, मानवता, स्वतंत्रता और आत्म-निर्भरता के प्रतिष्ठित शैक्षिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा से मानव समाज का सबसे जिम्मेदार और प्रज्वलित नागरिक बनाने के उद्देश्य के साथ प्रयोग व प्रयास करने की अपनी भावुक यात्रा में आगे बढ़ रहा है ।
कभी न खत्म होने वाले अपने ऐतिहासिक अभूतपूर्व सफर में सबसे चुने हुए प्लेटफार्मों में से एक यह कॉलेज वर्तमान में यू.जी. & पी.जी. अध्ययन के 30 विविध समूहों में 2,200 छात्रों के साथ उच्चशिक्षा को सशक्त बनाने के प्रतिष्ठित प्लेटफार्म के रूप में उभरा है।

एम.ए.एल.डी. शासकीय स्नातक & स्नातकोत्तर महाविद्यालय शैक्षिक वर्ष 2023-24 के लिए स्नातक व स्नातकोत्त (पी.जी.)पाठ्यक्रम सीबीसीएस प्रणाली के तहत छात्रों की रुचि और नवीनता के दृष्टिकोण से पसंद की असीमित स्वतंत्रता की अनुमति देते हुए उनके दूरदर्शी सपनों को वास्तविकता में पूरा करने के लिए रचनात्मकता, रोजगार उपयोगिता और आत्मनिर्भरता के लिए भविष्य की योजनाओं को गुणात्मक, मूल्य आधारित और अनुसंधान उन्मुख शिक्षा के माध्यम से चैनलाइज़ कर रहा है।

प्रिय वेब उपयोगकर्ता, कृपया हमारी वेबसाइट को और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दें।

मंगल कामनाओं के साथ,
भवदीय,
डॉ. कलंदर बाषा.शेक.
प्रधानाचार्य